करेंट अफेयर्स 3 अगस्त 2022

सरकार के अपने टमटम श्रमिकों

सिलेबस: जीएस पेपर-III (रोजगार)

संदर्भ: अग्निपथ योजना ने 'अस्थायी श्रमिकों' को काम आउटसोर्स करने के लिए सरकार के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला है।

'अस्थायी' नौकरियों में कुछ समय के लिए उपलब्ध सरकारी रोजगार का अधिकांश हिस्सा शामिल है। उन्हें तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

a. स्थायी

b. संविदात्मक

c. दिहाड़ी मजदूर

ओहदा

- आउटसोर्सिंग सरकार में काम करने का प्रमुख तरीका बन गया है, अत्यधिक विशिष्ट कार्यों से लेकर सबसे नियमित लोगों तक। उदाहरण के लिए, सफाई कर्मचारी (सफाई कर्मचारी), आपकी सिटी बस सेवा का एक ड्राइवर / कंडक्टर, एक जूनियर इंजीनियर, या एक अत्यधिक भुगतान सलाहकार।
- एक सर्वेक्षण के अनुसार, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में अनुबंधित श्रमिकों की संख्या मार्च 2016 में 2,67,929 से बढ़कर मार्च 2020 में 4,98,807 हो गई।

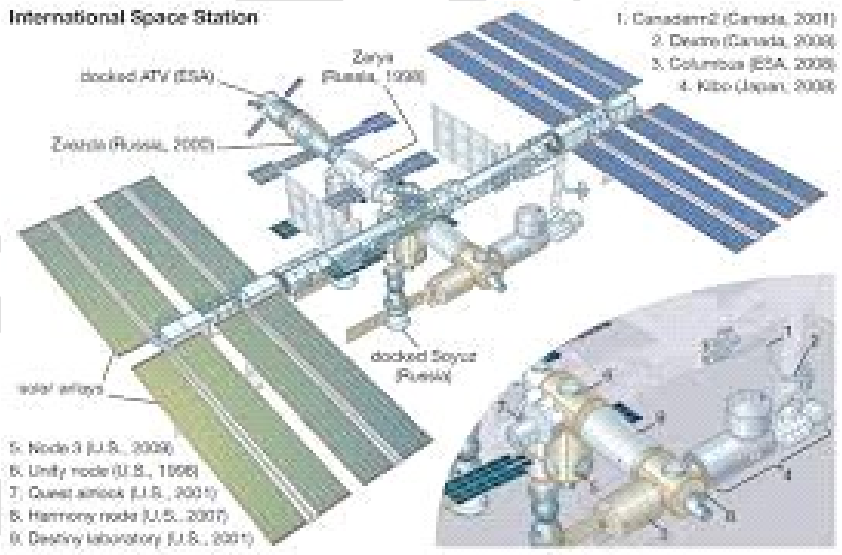

ठेका श्रमिकों के लाभ

- **सरकार के लिए:** "स्थायी" स्थिति की तुलना में सरकारी इकाई की लागत और देनदारियां काफी कम हो जाती हैं।
- जिम्मेदारी का भार ठेकेदार पर डाल दिया जाता है।
- 'नियमितीकरण' की मांग करने वाले मुकदमेबाजी की कोई संभावना नहीं है।

मुद्दे

- विस्तारित अवधियों के लिए वेतन का भुगतान न करना, श्रमिक ठेकेदार द्वारा भविष्य निधि (पीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) आदि जैसे कामगारों के कल्याण के लिए सांविधिक कटौती में हेराफेरी करना और "स्थायी" कर्मचारियों की तुलना में कार्य का असमान वितरण।

दीर्घकालिक प्रभाव: सार्वजनिक सेवा की गुणवत्ता जो स्वच्छता, सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य, आदि सहित प्रदान करने की मांग की जाती है।

क्या किया जा सकता है?

- सरकार की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है, विशेष रूप से राज्य के उन अंगों को जो लोगों को विभिन्न सेवाओं को पूरा करते हैं, साथ ही साथ भारत की बढ़ती कामकाजी उम्र की आबादी के लिए रोजगार का एक व्यवहार्य अवसर पैदा करने के लिए।
- **निम्नलिखित प्रभावी प्रक्रिया:** स्थानीय निकायों, पैरास्टेटल, विशेष प्रयोजन वाहनों और अन्य सार्वजनिक उपयोगिताओं को काफी लाभ होगा यदि संविदात्मक सहभागिता के तौर-तरीकों पर लगन से काम किया जाता है।
- आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय का **शहरी लर्निंग इंटर्नशिप प्रोग्राम (टीयूलिप),** शहर के अधिकारियों को एक निश्चित अवधि के लिए सीधे एक युवा कार्यबल को संलग्न करने में सक्षम बनाता है।

समाप्ति

- भले ही एक स्थायी सरकारी नौकरी अत्यधिक प्रतिष्ठित बनी हुई है, यह भी पहचानना महत्वपूर्ण हो सकता है कि हर कोई विभिन्न कारणों से 'स्थायित्व' की आकांक्षा नहीं कर सकता है।
- सरासर शोषण के खिलाफ सुरक्षा उपायों के साथ सरकार के साथ निश्चित अवधि के अनुबंधित कार्यकाल रोजगार का एक प्रमुख स्रोत हो सकता है। तथापि, भर्ती के ऐसे तरीकों को हमारे संविधान में निहित सामाजिक न्याय की दृष्टि के अनुरूप सकारात्मक कार्रवाई के सिद्धांतों को आत्मसात करना होगा। यह एक तंत्र बनने से बचने के लिए महत्वपूर्ण है जो आरक्षण के लिए प्रावधानों को स्कर्ट करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर -III (अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी), जीएस पेपर -II (भारत पर देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव)

रूस 2024 के बाद आईएसएस से बाहर निकल जाएगा और अपनी खुद की परिक्रमा चौकी बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के बारे में

आईएसएस इतिहास में **सबसे जटिल अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग परियोजना है और** सबसे बड़ी संरचना है जिसे मनुष्यों ने कभी भी अंतरिक्ष में रखा है।

- यह उच्च उड़ान उपग्रह **नई प्रौद्योगिकियों के लिए एक प्रयोगशाला और खगोलीय, पर्यावरणीय और भूवैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक अवलोकन मंच है।**
- बाहरी अंतरिक्ष में स्थायी रूप से कब्जा की गई चौकी के रूप में, यह आगे के अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक कदम पत्थर के रूप में कार्य करता है।

अंतरिक्ष स्टेशन **पृथ्वी से 400 किलोमीटर की औसत ऊंचाई** पर उड़ता है। यह **लगभग 28,000 किमी प्रति घंटे की गति से हर 90 मिनट में दुनिया को घेरता है।**

- एक दिन में, स्टेशन पृथ्वी से चंद्रमा तक जाने और वापस जाने के लिए लगने वाली दूरी के बारे में यात्रा करता है।
- अंतरिक्ष स्टेशन **चमक में शानदार ग्रह शुक्र प्रतिद्वंद्वी कर सकते हैं** और रात के आकाश में एक उज्ज्वल चलती प्रकाश के रूप में प्रकट होता है।
- इसे **रात के आकाश पर्यवेक्षकों द्वारा दूरबीन के उपयोग के बिना पृथ्वी से देखा जा सकता** है जो जानते हैं कि कब और कहां देखना है।
- **15 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली पांच अलग-अलग अंतरिक्ष एजेंसियों ने** 100 बिलियन अमरीकी डालर के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण किया और आज भी इसे संचालित करना जारी रखा है।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को टुकड़ा-दर-टुकड़ा अंतरिक्ष में ले जाया गया और धीरे-धीरे कक्षा में निर्मित किया गया।
- इसमें **मॉड्यूल और कनेक्टिंग नोड्स होते हैं जिनमें रहने वाले क्वार्टर और प्रयोगशालाएं होती हैं**, साथ ही बाहरी ट्रस जो संरचनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं, और सौर पैनल जो बिजली प्रदान करते हैं।

पहला मॉड्यूल, **रूस का ज़ारया मॉड्यूल, 1998 में लॉन्च किया गया** था।

आईएसएस को बनाए रखने में रूस की भूमिका

आईएसएस को पांच अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों के वैज्ञानिकों के सहयोग से बनाया गया है - **अमेरिका का नासा, रूस का रोस्कोस्मोस, जापान का जेएएक्सए, कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी।**

- प्रत्येक एजेंसी की एक भूमिका है और आईएसएस के रखरखाव में एक हिस्सा है। खर्च और प्रयास दोनों के संदर्भ में, यह एक उपलब्धि नहीं है कि एक ही देश का समर्थन कर सकता है।
- सहयोग में रूस का हिस्सा **आईएसएस की कक्षा में पाठ्यक्रम सुधार करने के लिए जिम्मेदार मॉड्यूल है।**

इसके अलावा, रूसी खंड यह सुनिश्चित करता है कि **अंतरिक्ष स्टेशन की कक्षा को अंतरिक्ष मलबे से दूर रखने के लिए सही किया जाए, लगभग 11 बार एक वर्ष में।**

- यह **पृथ्वी और पीछे से आईएसएस के लिए अंतरिक्ष यात्रियों को भी ले जाता है।**

रूस के पीछे हटने का क्या असर हो सकता है

- अपने भारी वजन और आगामी ड्रैग के कारण, आईएसएस पृथ्वी से लगभग 250 मील की ऊंचाई पर अपनी कक्षा से डूब जाता है।
- इसे हर बार गति की अपनी मूल रेखा तक धकेलना पड़ता है।

- रूस के आईएसएस सहयोग अंतरिक्ष यान के अपने खंड से पीछे हटने से आईएसएस **की कक्षा को सही करने में प्रभाव पड़ सकता है।**
- इसका मतलब था कि आईएसएस समुद्र में या जमीन पर गिर सकता है।
- आईएसएस संभवतः किसी देश पर दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगा, लेकिन शायद रूस ही नहीं। **आईएसएस की कक्षा ज्यादातर रूसी क्षेत्र के ऊपर से नहीं उड़ती है।**
- हालांकि, आईएसएस को छोड़ने से उन क्षेत्रों के लिए अधिक जोखिम पैदा होता है जो भूमध्य रेखा के करीब हैं। लेकिन यह केवल एक संभावना है, क्योंकि यह स्थानांतरित या विघटित हो सकता है।
- इस घटना के मामले में, आईएसएस में लोगों को वापस लाया जाएगा, मॉड्यूल को अलग किया जा सकता है जिससे यह बहुत छोटा हो जाएगा जो यह सुनिश्चित करेगा कि यह पृथ्वी को छूने से पहले विघटित हो जाए।

रूस के आईएसएस छोड़ने के कारण

- रूस और पश्चिम के बीच संबंध बद से बदतर होते रहे हैं। अमेरिका ने क्रेमलिन पर **'सोलर विंड्स' हैक** करने और **2020 के चुनाव में हस्तक्षेप करने का** आरोप लगाया था।
- **यूक्रेन में रूसी आक्रमण** ने पश्चिमी देशों से इस पर विभिन्न प्रतिबंधों को आकर्षित किया है, जिससे रूस के लिए अंतरिक्ष में सहयोग करना असंभव हो गया है।
- **अमेरिका-रूस अंतरिक्ष प्रतिद्वंद्विता** में वृद्धि।

रूस **2030 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन लॉन्च करने की** योजना बना रहा है।

प्रीलिम्स तथ्य

नगर वन योजना

- विश्व पर्यावरण दिवस **(5 जून)** के अवसर पर, सरकार ने **अगले पांच वर्षों में देश भर में 200 शहरी वनों को विकसित करने के लिए वर्ष 2020 में नगर वैन योजना के कार्यान्वयन की** घोषणा की।
- यह योजना वन विभाग, नगर निकायों, गैर-सरकारी संगठनों, कॉर्पोरेट्स और स्थानीय नागरिकों **के बीच लोगों की भागीदारी** और सहयोग को लागू करती है।

- इस योजना के तहत शहर में कम से कम **20 हेक्टेयर वन** बनाए जाएंगे।

- ये वन **या तो मौजूदा वन भूमि या शहरी स्थानीय निकायों द्वारा प्रस्तावित किसी अन्य खाली भूमि पर** स्थापित किए जाएंगे।

ज् एक बार स्थापित हो जाने के बाद वन उद्यान **का रख-रखाव राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा।**

- यह योजना पूरी तरह से **कैम्पा (प्रतिपूरक वनीकरण निधि अधिनियम, 2016) निधियों** द्वारा वित्त पोषित है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)

- **किसी भी वायुमंडलीय एजेंटों और प्राकृतिक कारणों से विरासत स्थलों को जलवायु परिवर्तन से होने वाली क्षति का आकलन करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा** नियमित निगरानी की जा रही है।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण या एएसआई **भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की एक संबद्ध एजेंसी है।**
- यह पुरातात्विक अनुसंधान और संरक्षण, और देश में प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण और संरक्षण में संलग्न है।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण **प्राचीन संस्मारक और पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम (एएमएएसआर अधिनियम), 1958 के उपबंधों** के माध्यम से देश में संचालित सभी पुरातात्विक गतिविधियों को विनियमित करता है।
- यह **पुरावशेष और कला खजाना अधिनियम, 1972 को भी विनियमित करता है।**

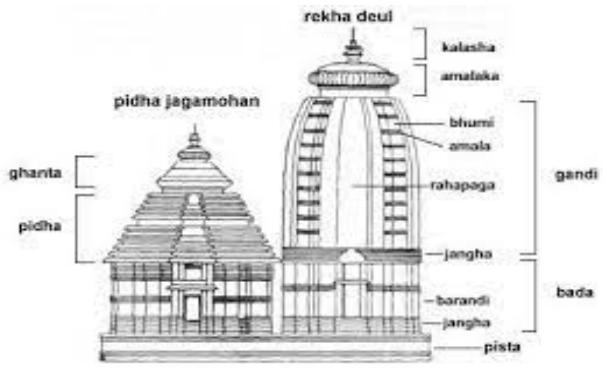

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का नेतृत्व **महानिदेशक** द्वारा किया जाता है और इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में है।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास 3500 से अधिक संरक्षित स्मारक और राष्ट्रीय महत्व के पुरातात्विक स्थल हैं जिन्हें यह संरक्षित और संरक्षित करता है।

लिंगराज मंदिर

- लिंगराज मंदिर, **11 वीं शताब्दी ईस्वी** में बनाया गया था, **भगवान शिव को समर्पित है,** और इसे शहर भुवनेश्वर (ओडिशा) का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है।
- माना जाता है कि इसका निर्माण **सोमवंशी राजा ययाति प्रथम ने करवाया था।**
- यह **लाल पत्थर** से बना है और **वास्तुकला की कलिंग शैली का** एक क्लासिक उदाहरण है।
- लिंगराजा मंदिर के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली शैली डी**यूला शैली है।**
- लिंगराज मंदिर की वास्तुकला के 4 घटक हैं - **भोग-मंडप (प्रसाद का हॉल), नाटा मंदिर (त्योहार हॉल), जगमोहन (असेंबली हॉल), और विमान (गर्भगृह युक्त संरचना)।**
- लिंगराज मंदिर के देवता को शिव और विष्णु के संयुक्त रूप में पूजा जाता है जिसे **हरिहर** के रूप में भी जाना जाता है।

राष्ट्रपति के रंग पुरस्कार

- उपराष्ट्रपति ने **तमिलनाडु पुलिस के लिए प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति के कलर्स'** प्रस्तुत किए।
- **भारत में एक सैन्य इकाई / राज्य पुलिस को राष्ट्र के लिए अपनी असाधारण सेवाओं की मान्यता में** दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है।
- यह **बहादुरी, साहस, प्रतिबद्धता, व्यावसायिकता, अखंडता और मानवता की सेवा की भावना को स्वीकार करता है।**
- इसे लोकप्रिय रूप से **'राष्ट्रपति का निशान'** कहा जाता है।

सूखा

- यह **असामान्य रूप से शुष्क मौसम, फसल क्षति और पानी की आपूर्ति की कमी की अवधि को संदर्भित करता है।**

ज् **जब किसी क्षेत्र को सूखा प्रभावित घोषित करने की बात आती है तो राज्य सरकार अंतिम प्राधिकारी होती है।**

- कृषि मंत्रालय ने सूखे के प्रबंधन के संबंध में 2016 में एक मैनुअल प्रकाशित किया था। यह एक तीन कदम दृष्टिकोण का सुझाव देता है:

1. पहला कदम दो अनिवार्य संकेतकों को देखना है: वर्षा **विचलन और शुष्क जादू।** विचलन की सीमा के आधार पर, और क्या कोई सूखा जादू है, मैनुअल विभिन्न स्थितियों को निर्दिष्ट करता है जिन्हें सूखा ट्रिगर माना जा सकता है या नहीं।
2. दूसरा कदम**हमारे प्रभाव संकेतकों को देखना है - कृषि, सुदूर संवेदन, मिट्टी की नमी और जल विज्ञान के आधार पर वनस्पति सूचकांक।** प्रत्येक प्रभाव का आकलन विभिन्न सूचकांकों के आधार पर किया जा सकता है।
3. तीसरा कदम दोनों पिछले ट्रिगर्स बंद कर दिया गया है के बाद में आता है. उस स्थिति में, **राज्य सूखे का अंतिम निर्धारण करने के लिए जमीन के लिए नमूना सर्वेक्षण करेंगे। क्षेत्र सत्यापन अभ्यास की खोज सूखे की तीव्रता को 'गंभीर' या 'मध्यम' के रूप में आंकने के लिए अंतिम आधार होगी।**

- एक बार सूखा निर्धारित हो जाने के बाद, राज्य सरकार को भौगोलिक सीमा को निर्दिष्ट करते हुए एक अधिसूचना जारी करने की आवश्यकता होती है। अधिसूचना छह महीने के लिए वैध है **जब तक कि पहले डी-अधिसूचित नहीं किया जाता है।**

चांडलर लड़खड़ाना

- 29 जुलाई को, पृथ्वी ने सबसे छोटे दिन के लिए अपना रिकॉर्ड तोड़ दिया क्योंकि इसने **अपने मानक 24 घंटे के रोटेशन से कम 1.59 मिलीसेकंड में एक पूर्ण स्पिन** पूरा किया।
- जबकि वैज्ञानिकों को अभी तक पृथ्वी की घूर्णन गति में डाउनट्रेंड के पीछे के कारणों का निष्कर्ष निकालना है, इसे चांडलर वोबल को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।
- चांडलर लड़खड़ा **अपनी धुरी पर पृथ्वी के स्पिन में परिवर्तन को** संदर्भित करता है।

RACE IAS